हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(स्पर्श) (पाठ 2)(मीरा – पद)

(कक्षा 10)

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1:

पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है ?

उत्तर 1:

पहले पद में मीरा ने हरि 'कृष्ण' से कहा है कि जिस प्रकार आपने भरी सभा में द्रौपदी की साड़ी को बढ़ाकर उसका अपमान होने से बचाया था । भक्त प्रहलाद के प्राणों की रक्षा भगवान नरसिंह का रूप धारण करके की । उसी प्रकार आप मुझे भी अपने दर्शन देकर मेरी पीड़ा को हर लो ।

प्रश्न 2:

दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर 2:

मीरा कृष्ण की अनन्य भक्त हैं । वे हर समय उनकी चाकरी करना चाहती हैं जिसके निम्न कारण हैं ।

- वे प्रातः उनके दर्शन का आनन्द ले सकती हैं ।
- वृंदावन की गलियों में गोविन्द लीला का रसपान कर सकती हैं ।
- इस प्रकार वे कृष्ण के दर्शन ,स्मरण और भाव भक्ति रूपी धन को पा सकेंगी।

प्रश्न 3:

मीराबाई ने कृष्ण के रूप–सौंदर्य का वर्णन किस प्रकार किया है ?

उत्तर 3:

मीराबाई के कृष्ण के सिर पर मार मुकुट है । वे पीले वस्त्र धारण किए हुए हैं । उनके गले में वैजयंती फूलों की माला है और वे वृंदावन में मुरली बजाते हुए गाएँ चराते हुए सब का मन मोहने वाले हैं ।

प्रश्न 4:
मीराबाई की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।
उत्तर 4:
मीराबाई की भाषा मूलतः बृजभाषा है , जो तत्कालीन काव्य की भाषा के रूप में प्रचलित थी । मूलतः राजस्थान की होने के कारण उनकी भाषा पर राजस्थानी भाषा का भी अच्छा प्रभाव है । मीरा की कविता में एक रहस्य है जो उनके लौकिक प्रेम को उनके अलौकिक प्रेम से जोड़ता है । जब वे कृष्ण से अपने वियोग की बात करती हैं तो वे कहती हैं कि इस वियोग से वे अत्यंत दुखी हैं और कृष्ण से मिलन के लिए बेचैन हैं । दूसरे रूप में वे आत्मा और परमात्मा के मिलन की ओर संकेत करती दिखाई देती हैं , क्योंकि किसी भी जीव को संपूर्ण आनन्द परमात्मा से मिलन के बाद ही प्राप्त होता है ।

प्रश्न 5:
वे श्रीकृष्ण को पाने के लिए क्या क्या कार्य करने को तैयार हैं ?
उत्तर 5:
वे श्रीकृष्ण को पाने के लिए उनकी नौकरानी बनने के लिए तैयार हैं । कुसुंब की साड़ी पहनने के लिए तैयार हैं। आधी रात को यमुना के तट पर भी आने के लिए तैयार हैं ।

काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए:

1:

हरि आप हरो जन री भीर ।
द्रौपदी री लाज राखी , आप बढ़ायो चीर ।
भगत कारण रूप नरहरि , हरी म्हारी पीर ।

उत्तर 1:

मीरा कहती हैं कि आप लोगों की पीड़ा को दूर करने वाले हैं । आपने भरी सभा में द्रौपदी की साड़ी को बढ़ाकर उसकी लाज रखी । भक्त प्रहलाद की रक्षा करने के लिए भगवान नरसिंह का रूप धारण किया ठीक उसी प्रकार आप हमारी पीड़ा को भी दूर करो ।

राजस्थानी मिश्रित भाषा का प्रयोग किया गया है । री शब्द के बार बार प्रयोग से गेयता और संगीतात्मकता प्रबल हुई है ।

2:

बूढ़तो गजराज राख्यो , काटी कुण्जर पीर ।
दासी मीराँ लाल गिरधर , हरो म्हारी पीर ।

उत्तर 2:

मीरा कहती हैं कि आपने गजराज की रक्षा करने के लिए मगरमच्छ का वध किया । हे गिरधरलाल आप अपनी दासी मीरा की पीड़ा को भी दूर करो । काटी कुजर में अनुप्रास अलंकार का प्रयोग किया गया है राजस्थानी मिश्रित बृजभाषा के कारण गेयता और संगीतात्मकता की भी प्रचुरता है ।

3:
चाकरी में दरसण पास्यूँ , सुमरण पास्यूँ खरची ।
भाव भगती जागीरी पास्यूँ , तीनूं बाताँ सरसी ।

उत्तर 3:
मीराबाई कहती हैं कि मैं आपकी सेविका बनकर नित्यप्रति आपके दर्शनरूपी धन को पा सकूँगी और आपके नाम स्मरण रूपी धन को खर्च करूँगी और इस प्रकार मैं आपकी भाव भक्ति रूपी जागीर को प्राप्त कर सकूँगी भाव भक्ति में अनुप्रास अलंकार का प्रयोग हुआ है । पद में गेयता संगीतात्मकता के साथ माधुर्य भाव को भी बड़ी अच्छी तरह से प्रस्तुत किया गया है ।